

हम घर पर हैं

एक इतालवी शरीर, जो कुछ वह कभी था उस सब के साथ, एक अमेरिकी मन से मिलने वाला था, जो कुछ उसने किया उस सब के साथ — माँ जिलेट से सीखी खामोशियों और उसकी अनोखी शिक्षाओं के भीतर।

मुझे इंतज़ार का सम्मान करना आता था। कभी जल्दबाज़ी में नहीं। जो सबक मैंने सीखा था वह यह था: सब कुछ उसी के पास आता है जो इंतज़ार करना जानता है — बिना तात्कालिकता के, और उससे भी अधिक, बिना अपेक्षा के।

कुछ न माँगने वाला व्यक्ति बनना हमेशा एक पहली रही। खरीदे नहीं जा सकने से एक आदमी की ताकत नहीं जाती। पर बिना अनुमति माँगे लेना — यही मेरी शिक्षा थी। जिस तरह दुनिया की हर स्त्री करने की जन्मजात आदी है।

एक दिन हम एक ही बाथरूम में, एक ही समय, एक ही क्षण में मिले — मेरे पिता और मैं, दाड़ी बनाते हुए। हम दोनों की एक ही समय पर एक ही बैठक थी, और नियम हमेशा एक था: जल्दी पहुँचो, कभी समय पर नहीं।

वे एक पल रुके मेरा दाड़ी बनाने का रिवाज़ देखने के लिए और उन्होंने कुछ ऐसा देखा जिसने उन्हें चौंका दिया। चेहरे पर पहला वार नीचे से ऊपर जाता, बाल की दिशा के खिलाफ़। दूसरा केंद्र को ढकता। सिर्फ़ आखिरी वार ऊपर से नीचे चलता। और, मुस्कराते हुए, उन्होंने मुझसे पूछा कि यह मुझे किसने सिखाया।

मैंने उन्हें गौर से देखा। वे कभी बिना वजह नहीं बोलते थे। मुझे उनके असली इरादों को समझना था। पर एक ही जवाब था: मैंने तुमसे सीखा — पाँच साल की उम्र से, हर सुबह तुम्हें दाड़ी बनाते देखते हुए। बीमार होकर भी, चालीस डिग्री बुखार के साथ, वे उठते, दाड़ी बनाते और वापस बिस्तर में चले जाते।

और जो मैंने देखा वह यह था कि वे उस आखिरी वार में बाल की दिशा के खिलाफ़ कभी नहीं जाते थे। क्योंकि वे कहते थे कि खुरदुरा हिस्सा एक आदमी की पहचान है — अगर तुम बहुत चिकने हो जाओ, तो तुम स्त्री बन जाते हो।

मई 2030 की उस रात, मैं अपने बॉस्टन की सड़कों पर टहल रहा था। यादें रुकने का नाम नहीं ले रहीं थीं। कुछ आँसूओं ने मेरे जीवन को, उस पूरी यात्रा को, फ्रेम में जड़ दिया।

मैं केवल शारीरिक रूप से अकेला था। पर मानसिक रूप से घिरा हुआ था — उन सबसे जिन्होंने कभी मुझे एक वाक्य, एक मज़ाक, एक कहानी, एक किस्सा दिया, और मेरी स्मृति को भर दिया। और मैंने बचपन में सीखा था कि विवरण कभी न भूलूँ। क्योंकि वे हर गंभीर बातचीत का आधार होते हैं। यह हमेशा ऐसा ही रहा है।

हिसाब बराबर करने का समय था। और यह हमेशा सीड़ियों पर पोकर के एक खेल के बाद किया जाता है, घर जाने से पहले — कभी पहले नहीं।

GILLETTENARRATIVE पहले रड़ार पर दिखा। फिर उसे निगरानी में रखा गया। फिर जाँचा और सत्यापित किया गया। और तभी वह बना जिसके लिए वह पैदा हुआ था: एक कहानी।

सब हमेशा एक ही सवाल पूछते थे: मैं सब कुछ सिर्फ़ 1 USD में कैसे दे सकता था — और मैं यह सब सिर्फ़ 70 USD महीने में कैसे बना सकता था।

जवाब एक छवि के भीतर था।

मैं आग के सामने, केबिन के भीतर था। और नदी के दूसरी ओर मैं बॉस्टन के प्रूडेंशियल सेंटर टावर को देख रहा था — जो उन सालों में मेरी माँ का घर रहा था जब उसने मुझे बसाया। और मेरे मन में हमेशा वही विचार आता।

मैं यह जानने का आनंद ले सकता था कि एक गगनचुंबी इमारत के भीतर रहना कैसा होता है। पर मैं ठीक वहीं रहने के लिए स्वतंत्र था जहाँ मैं था — एक ही वजह से: मैं स्वतंत्र था।

नान्दो द स्क्राइब। कोई जिसके अस्तित्व की आप उम्मीद नहीं करते। और फिर भी, वह असली है। और आप उसे हमेशा उसमें पाएंगे जो उसने किया — कभी उसमें नहीं जो उसने कहा।

फेर्दिनान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com